रिमोट से चलेगा इस्कॉन के रथ का हाईड्रोलिक

16 से 24 जुलाई तक शहर में निकलेंगी रथयात्राएं

निज संवाददाता

भोपाल, 9 जुलाई. भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां तेज हो गई हैं, शहर में 16 से 24 जुलाई के बीच विभिन्न स्थानों से रथयात्राएं निकाली जाएंगी, रथों को सजाने और अंतिम रूप देने का काम जारी है.

इस बार इस्कॉन की तीन रथ यात्राएं विशेष आकर्षण रहेंगी, रथ हाइड्रोलिक रिमोट सिस्टम से लैस होंगे, जिन्हें बिजली के तारों के अनुसार ऊपर-नीचे किया जा सकेगा, 18 जुलाई को पटेल नगर से टीटी नगर, 19 जुलाई को कोलार से सर्वधर्म चौराहा और 24 जुलाई को संत हिरदाराम नगर में यात्रा निकलेगी, यात्राओं में 200 किलो खाजा (मिठाई), 200 किलो हलवा और 5 हजार से अधिक केले प्रसाद वितरित किए जाएंगे, विदेशी भक्त भी शामिल होंगे.

जगदीश मंदिर में तैयार किया जा रहा भगवान का रथ.

उत्कल समाज के जवाहर चौक स्थित जगन्नाथ मंदिर, मानस भवन श्यामला हिल्स, शांति नगर बैरसिया, कमला पार्क स्थित जगदीश मंदिर और कान्हा कुंज कोलार से रथ यात्राएं नगर भ्रमण करेंगी, कमला पार्क की यात्रा खटलापुरा पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन वापसी होगी, श्रीनाथजी मंदिर लखेरापुरा और मार्कण्डेय मंदिर चौबदारपुरा की यात्राएं मंदिर परिसर तक सीमित रहेंगी.

मोतियों के बंगले में विराजेंगे जगन्नाथ

श्री गौर राधा मदनगोपाल मंदिर समिति द्वारा गुरुवार को एक होटल में प्रेस वार्ता आयोजित कर भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की जानकारी दी गई. समिति के प्रमुख प्रमोद नेमा और दीपिका माहेश्वरी ने बताया कि 15 जुलाई को भगवान को मोतियों का बंगला बनाकर विराजित किया जाएगा और संकीर्तन होगा. 16 जुलाई को दोपहर 12 बजे महाआरती के बाद रथयात्रा शांति नगर कॉलोनी से प्रारंभ होगी. यह यात्रा इब्राहिमगंज, मंगलवारा, इतवारा, चौक बाजार होते हुए वापस मंदिर पहुंचेगी. यात्रा में ढोल ताशा, बैंड, ध्वज और संकीर्तन दल शामिल होंगे. फूलों से सजा रथ मुख्य आकर्षण रहेगा. रथ यात्रा का यह 42वां वर्ष है, जिसे हर साल आयोजित किया जाता है.

पहले पीपल के पेड़ के नीचे था शिवलिंग अब वहां जगदीश मंदिर

रोहित रजक

भोपाल, 9 जुलाई. किलोल पार्क स्थित श्री जगदीश मंदिर में इन दिनों श्रद्धा और भक्ति का विशेष माहौल बना हुआ है. वर्ष 1989 में स्थापित इस मंदिर की पहचान आज आस्था और परंपरा के संगम के रूप में हो चुकी है. मंदिर की शुरुआत एक पीपल के पेड़ और शिवलिंग से हुई थी. जिसके बाद यहां हनुमान जी और फिर भगवान जगन्नाथ (जगदीश स्वामी) की स्थापना की गई. इस मंदिर के निर्माण की पहल महामंडलेश्वर महंत जगदीश दास त्यागी ने की थी.

मंदिर से हर वर्ष निकलने वाली रथ यात्रा इस बार 16 तारीख को निकलेगी, जो पॉलिटेक्निक चौराहा, श्यामला हिल्स, चौक बाजार होते हुए काली मंदिर पहुंचेगी. रथ को मंदिर के स्वरूप में तैयार किया जाता है. जिसकी तैयारी महीनों पहले शुरू हो जाती है. रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं. मान्यता है कि जिनके विवाह नहीं हो रहे या संतान सुख की कामना है. उनकी मनोकामनाएं यहां पूरी होती हैं. जन्माष्टमी, शिवरात्रि और हनुमान जयंती पर भी विशेष आयोजन होते हैं. जिनमें दूर-दूर से संत और श्रद्धालु पहुंचते हैं. वर्तमान में भगवान विश्राम में हैं और 15 तारीख के बाद दर्शन शुरू देंगे. जिसके बाद 16 जुलाई को रथयात्रा निकलेगी. शहर के विभिन्न स्थानों पर भक्तों द्वारा स्वागत की परंपरा भी इस यात्रा की खास पहचान है.

मंदिर की खासियत के संबंध में मंदिर अध्यक्ष महामंडलेश्वर महंत जगदीश दास त्यागी बताते हैं कि यह मंदिर आस्था का केंद्र है. जहां सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है. पिछले 50 वर्षों से सेवा में जुड़े महंत के अनुसार, यहां की रथ यात्रा और परंपराएं ही मंदिर की सबसे बड़ी पहचान है. जो भक्तों को हर साल आकर्षित करती हैं.

एक नजर में

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 74 श्रद्धालु रवाना

भोपाल, 9 जुलाई. अमरनाथ में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 74 श्रद्धालु गुरुवार को रवाना हुए. ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि 74 श्रद्धालुओं का यह पांचवां जत्था मालवा एक्सप्रेस से रवाना हुआ, जिसमें 10 महिलाएं हैं. इस जत्थे में 69 वर्ष के बुजुर्ग छगनलाल एवं 14 वर्ष की प्रियंका शामिल है. बालटाल मार्ग से जाने वाले जत्थे का नेतृत्व मुकेश रायकवार द्वारा किया जाएगा एवं पहलगांव मार्ग से जाने जत्थे का मुकेश यादव करेंगे. मंडल के सदस्यों द्वारा अमरनाथ यात्रियों को फूल माला पहनाकर, तिलक लगाकर विदाई दी गई.

जयवर्धन सिंह का जन्मदिन सेवा कार्यों के साथ मनाया

भोपाल, 9 जुलाई(विशेष संवाददाता). पूर्व मंत्री एवं विधायक जयवर्धन सिंह के जन्मदिन के अवसर पर उनके समर्थकों ने सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए एडॉप्टेड बाय शिक्षा तारू, भोपाल शाखा में अध्ययनरत जरूरतमंद बच्चों के साथ सादगी एवं सेवा भाव से जन्मदिन मनाया. इस अवसर पर बच्चों को विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ एवं स्टेशनरी किट वितरित किए गए. कार्यक्रम का उद्देश्य यह संदेश देना था कि किसी विशेष अवसर की वास्तविक खुशी जरूरतमंदों के साथ साझा करने में है. आयोजकों ने कहा कि समाज के वंचित वर्ग के बच्चों की सहायता करना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची सामाजिक सेवा है. कार्यक्रम का आयोजन वार्ड क्रमांक-13 के युवा नेता अनस पठान के नेतृत्व में किया गया. इस अवसर पर एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रवक्ता वीराज यादव, किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, छात्र नेता नमन ठाकुर, अभिजीत ठाकुर, विश्वास जैन सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे. सभी ने जयवर्धन सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना की.

बढ़ती आबादी का सीधा असर पर्यावरण पर : डॉ. नंदी

भोपाल, 9 जुलाई(निज संवाददाता). विश्व जनसंख्या दिवस पर शहर में डॉक्यूमेंट्री फिल्म '8 बिलियन एंजेल्स' का प्रदर्शन किया गया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक, शोधार्थी और जागरूक नागरिक शामिल हुए. फिल्म में बढ़ती जनसंख्या के पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों पर असर को प्रमुखता से दिखाया गया. इसमें बताया गया कि सीमित संसाधनों वाली पृथ्वी पर बढ़ती आबादी भविष्य के लिए बड़ी चुनौती बन रही है. प्रदर्शन के बाद हुई चर्चा में प्रतिभागियों ने जनसंख्या के साथ बढ़ते उपभोग और बदलती जीवनशैली को भी संकट का कारण बताया. उन्होंने कहा कि केवल जनसंख्या संख्या नहीं, बल्कि संसाधनों का उपयोग और वितरण भी महत्वपूर्ण है. डॉ. आलोक रंजन चौरसिया ने कहा कि कई देशों में जनसंख्या वृद्धि दर कम हो रही है और आने वाले समय में बुजुर्ग आबादी बढ़ना नई चुनौती बन सकती है.

कलाकारों ने आजादी के संघर्ष को मंच पर उतारा

रवीन्द्र भवन में 'स्वाधीनता के गान' में कथक नृत्य की प्रस्तुति

निज संवाददाता

भोपाल, 9 जुलाई. गुरुवार शाम रवीन्द्र भवन देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया जब 'स्वाधीनता के गान' कार्यक्रम में कला और संस्कृति के जरिए आजादी की कहानी जीवंत हुई. रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू), एसजीएसयू और विश्वरंग फाउंडेशन के संयुक्त आयोजन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए.

कार्यक्रम में बच्चों और युवा कलाकारों ने कविता, संगीत और नृत्य के माध्यम से आजादी के संघर्ष को मंच पर उतारा. हर प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियां बजाई और भारत माता के जयकारों से पूरा सभागार गूंज उठा. समापन पर जैसे ही वंदेमातरम् की प्रस्तुति हुई, दर्शकों ने तिरंगा लहराकर माहौल को भावुक बना दिया.

इस सांस्कृतिक प्रस्तुति में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, निराला, माखनलाल चतुर्वेदी और सुभद्रा कुमारी चौहान जैसे महान कवियों की रचनाओं को नए अंदाज में पेश किया गया. कथक नृत्यांगनाओं की प्रस्तुति और संगीत के साथ शब्दों की ताकत ने लोगों को आनंदित कर दिया. कार्यक्रम में 'स्वाधीनता के गान' पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया, जिसमें हिंदी के 34 कवियों की देशभक्ति कविताएं शामिल हैं. आरएनटीयू के कुलाधिपति संतोष चौबे ने कहा कि नई पीढ़ी को आजादी के संघर्ष से जोड़ना जरूरी है. पूरा कार्यक्रम यह संदेश देकर खत्म हुआ कि आजादी सिर्फ इतिहास नहीं बल्कि एक जीवंत भावना है, जिसे हर पीढ़ी को समझना और संजोना होगा.

एमपी की दो मुक्केबाज स्कॉटलैंड रवाना

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 9 जुलाई. मध्यप्रदेश राज्य बॉक्सिंग अकादमी की मुक्केबाज अंजली सिंह और माही लामा का चयन कॉमनवेल्थ बॉक्सिंग कैंप के लिए हुआ है. दोनों खिलाड़ी गुरुवार को स्कॉटलैंड के ग्लासगो के लिए रवाना हुईं, जहां 10 से 24 जुलाई तक आयोजित होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेंगी.

कैंप में उन्हें कई देशों के शीर्ष मुक्केबाजों के साथ अभ्यास का मौका मिलेगा, जो आने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिहाज से अहम माना जा रहा है. अधिकारियों के अनुसार अंजली 57 किलोग्राम और माही 60 किलोग्राम वर्ग में प्रशिक्षण लेंगी. शिविर के दौरान विदेशी कोचों के मार्गदर्शन में तकनीक, फिटनेस और मुकाबले की रणनीति पर विशेष काम किया जाएगा. अलग-अलग देशों के खिलाड़ियों के साथ अभ्यास से दोनों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव भी मिलेगा.खेल विभाग के मुताबिक दोनों खिलाड़ियों का चयन हाल के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है. विभाग का मानना है कि इस तरह के विदेशी प्रशिक्षण शिविर खिलाड़ियों की तकनीकी और मानसिक तैयारी को मजबूत करने में मदद करते हैं. खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं.

15 से शुरू होगा नशे से दूरी है जरूरी अभियान

भोपाल(नवभारत प्रतिनिधि). शहर को नशामुक्त बनाने के लिए कलेक्टर गुरुवार को प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक हुई, जिसमें युवाओं को नशे की लत से बचाने और नशीली दवाओं की अवैध तस्करी पर लगाम लगाने के लिए कई फैसले लिए गए. बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि आगामी 15 जुलाई से जिले के सभी स्कूलों और कॉलेजों में जागारुकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 शुरू किया जाएगा. सभी शासकीय महाविद्यालयों में एंटी ड्रग कमेटियों का गठन कर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी.

सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल में स्टूडेंट कैबिनेट का गठन

विशेष संवाददाता

भोपाल, 9 जुलाई. सेंट मेरी कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल में गुरुवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सीनियर स्टूडेंट कैबिनेट का गठन किया गया. शपथ ग्रहण समारोह में प्राचार्या मारिया जगताप ने नव-निर्वाचित छात्र पदाधिकारियों को शपथ दिलाई तथा उन्हें अनुशासन, ईमानदारी और सेवा भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संदेश दिया.

नवगठित छात्र परिषद में मेहक उपाध्याय को अध्यक्ष तथा देविका कोसारकर को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया. अनुष्का सिरिया और विक्रांत शर्मा को उप-प्रधानमंत्री तथा वरुणवी नायडू को सारथी समन्वयक बनाया गया.

इसके अलावा गांधी, नेहरू और टैगोर हाउस के कप्तान एवं उप-कप्तानों के साथ अकादमिक, सांस्कृतिक, अनुशासन, अंग्रेजी भाषा, स्वास्थ्य एवं वेलनेस, आध्यात्मिक तथा खेल समितियों के पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारियां सौंपी गईं.

छात्रों ने ईमानदारी से दायित्व निभाने का संकल्प लिया

समारोह को संबोधित करते हुए प्राचार्या मारिया जगताप ने विश्वास व्यक्त किया कि नई छात्र कैबिनेट विद्यालय में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सहभागिता की भावना को मजबूत करेगी. छात्र परिषद की अध्यक्ष मेहक उपाध्याय ने पूरी निष्ठा, ईमानदारी और टीम भावना के साथ अपने दायित्व निभाने का संकल्प व्यक्त किया. विद्यालय के शिक्षकों ने सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की.

राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन 11-12 जुलाई को

भोपाल, 9 जुलाई. राजधानी में 11 और 12 जुलाई को कालिदास राष्ट्रीय महर्षि ज्योतिष विज्ञान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा. यह दो दिवसीय सम्मेलन ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से नेहरू नगर स्थित सभागार में होगा. आयोजन में देशभर के करीब 400 ज्योतिषाचार्य और शोधार्थी शामिल होंगे, जो विभिन्न विषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे. सम्मेलन में ज्योतिष की वर्तमान वैश्विक भूमिका, शोध, योग, ध्यान और ज्योतिषीय गणना पर विशेष सत्र आयोजित होंगे.

नए विद्यार्थियों ने टीम में काम करना सीखा

निज संवाददाता

भोपाल, 9 जुलाई. राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान मप्र में नए विद्यार्थियों के लिए गुरुवार को थिएटर कार्यशाला का आयोजन किया गया. यह कार्यशाला विहान ड्रामा वर्क्स द्वारा ओरिएंटेशन कार्यक्रम के तहत आयोजित हुई जिसमें करीब 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया.

सुबह से शाम तक चले इस सत्र में थिएटर गेम्स, इम्प्रोवाइजेशन और समूह गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जाना. शुरुआत में झिझक रहे छात्र धीरे-धीरे खुलकर सामने आए और अपनी अभिव्यक्ति के साथ टीम में काम करना सीखा. कार्यशाला का उद्देश्य सिर्फ परिचय कराना नहीं, बल्कि छात्रों में विश्वास, संवाद और सहयोग की भावना विकसित करना रहा. विशेषज्ञों ने बताया कि थिएटर के जरिए आत्मविश्वास, नेतृत्व और रचनात्मक सोच को मजबूत किया जा सकता है. संस्थान की फैकल्टी ने भी इस पहल को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया. पूरे दिन परिसर में उत्साह और रचनात्मक माहौल बना रहा. इस तरह की गतिविधियां नए छात्रों को पढ़ाई के साथ बेहतर माहौल में ढलने में मदद करती हैं.

प्रशिक्षण | भेल में कॉमन इंडक्शन लर्निंग मॉड्यूल का शुभारंभ

'जीरो रीवर्क' के लक्ष्य को अपनाना हर प्रशिक्षु की जिम्मेदारी

भेल संवाददाता

भोपाल, 9 जुलाई. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल), भोपाल में नव नियुक्त प्रशिक्षुओं के प्रभावी प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रवीण मैनुअल के अंतर्गत एएम-4 (सीआईएल-कॉमन इंडक्शन लर्निंग) मॉड्यूल का शुभारंभ किया गया.

मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) के विश्वकर्मा सभागार में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक, एचईपी भोपाल प्रदीप कुमार उपाध्याय ने किया.

इस अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) टी. यू. सिंह, एचआरडीसी प्रमुख आरिफ अहमद सिद्दीकी तथा मानव संसाधन विकास केंद्र के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे.

अपने संबोधन में प्रदीप कुमार उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान में भेल के पास पर्याप्त कार्यादेश उपलब्ध हैं. ऐसे में समयबद्ध कार्य निष्पादन, अनुशासन, गुणवत्ता के उच्च मानकों का पालन तथा 'जीरो रीवर्क' के लक्ष्य को अपनाना प्रत्येक प्रशिक्षु की जिम्मेदारी है. उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रशिक्षुओं को आश्वस्त किया कि भेल उनके प्रशिक्षण और कार्यस्थल पर समुचित सहयोग प्रदान करेगा. कार्यक्रम के दौरान कार्यपालक निदेशक ने एचआरडीसी द्वारा विकसित आउटबाउंड प्रशिक्षण गतिविधि क्षेत्र का भी अवलोकन किया और इस अभिनव पहल की सराहना की. वहीं टी. यू. सिंह ने राष्ट्र निर्माण में भेल की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षुओं से संगठन की कार्य संस्कृति, मूल्यों और उत्कृष्टता की परंपरा को अपने व्यवहार एवं कार्यशैली में आत्मसात करने का आह्वान किया.

अस्पतालों में सुधरेगी इलाज की गुणवत्ता

▶ शहर में हुआ एनएबीएच पूर्ण प्रत्यायन कार्यक्रम

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 9 जुलाई मरीजों की सुरक्षा और इलाज की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रीय अस्पताल और स्वास्थ्य सेवा प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) द्वारा भोपाल में 'एनएबीएच पूर्ण प्रत्यायन कार्यक्रम' का आयोजन किया गया.

बता दें भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के सहयोग से चल रही प्रदेशव्यापी 'गुणवत्ता यात्रा' के तहत यह इस शृंखला का तीसरा बड़ा कार्यक्रम था. जिसमें भोपाल सहित राज्य की 69 अस्पताल इकाइयों के 115 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद भोपाल के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. मनीष शर्मा और जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. कामिनी मेहरा ने स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों पर जोर दिया. डॉ. शर्मा ने सभी अस्पतालों को गुणवत्ता मानकों को कड़ाई से अपनाने और 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को पूरा करने में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया.

सर्टिफिकेट नहीं, सुरक्षा की गारंटी है एनएबीएच

कार्यक्रम में आए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि एनएबीएच का पूर्ण प्रत्यायन केवल एक कागजी प्रमाण-पत्र नहीं है. यह असल में मरीजों की सुरक्षा, अस्पतालों में संक्रमण पर नियंत्रण, दवाओं के सही प्रबंधन और इलाज के नतीजों में लगातार सुधार लाने की एक मजबूत व्यवस्था है. सत्र के दौरान अस्पतालों को एंट्री लेवल सर्टिफिकेशन से आगे बढ़कर पूर्ण प्रत्यायन हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया.